ज्योतिष विभाग

वेदवेदांग संकाय के अन्तर्गत संचालित ज्योतिष विभाग में सिद्धांत ज्योतिष, फलित ज्योतिष, वास्तु शास्त्र, सामुद्रिक शास्त्र एवं एक वर्षीय ज्योतिष तथा वास्तु के प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित हैं।

ज्योतिष विभाग में स्वतंत्र वेधशाला है, जिसमें एक पूर्णतया स्वचालित टेलीस्कोप, एक सामान्य टेलीस्कोप, देश के विभिन्न अक्षांशों पर आधारित लोहे के 10 ग्लोब, लकड़ी का बना सम्राट् यन्त्र, चन्द्र ग्रहण एवं सूर्य ग्रहण के प्रायोगिक अध्ययन के लिए यन्त्र, बाईनाकूलर, संहिता ज्योतिष के प्रायोगिक के लिए वर्षामापक यन्त्र, फलित ज्योतिष के प्रायोगिक के लिए प्लास्टिक निर्मित मानवयन्त्र हैं। ज्योतिष के खगोल एवं भूगोल तथा प्राचीन भारतीय गणित का आधुनिक तथ्यों के साथ तुलनात्मक अध्ययन के क्षेत्र में यह विभाग कार्य कर रहा है। यह विभाग विद्यार्थियों को ज्योतिष के क्षेत्र में स्वरोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध करवा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2020-21 में अध्यापन कार्य सीबीसीएस पाठयक्रम तथा ऑनलाइन के माध्यम से भी कराया जायेगा।

ज्योतिष विभाग की भावी कार्ययोजनाएँ

1. वि.वि. परिसर में CBCS पैटर्न पर सुरुचिपूर्ण शिक्षण व्यवस्था।, 2. ज्योतिष प्रयोगशाला में अत्याधुनिक उपकरण व चित्रों की स्थापना।, 3. स्मार्ट क्लासरूम के माध्यम से नवीनतम तकनीक द्वारा प्रभावी शिक्षण।, 4. विभाग द्वारा ऑनलाइन शॉर्ट टर्म कोर्सेस प्रारम्भ, 5. ऑनलाइन शास्त्रीय ग्रन्थों व पाठ्यक्रमों की शिक्षण सुविधा।, 6. विशिष्ट खगोलीय अवसरों पर प्रायोगिक एवं व्याख्यान।, 7. मासिक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार/संगोष्ठी का आयोजन।, 8.ज्योतिष विभाग की वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन।, 9.''छात्र-शिक्षक-अभिभावक'' में परस्पर सजीव सम्पर्क तथा प्रोत्साहन/मार्गदर्शन की योजना।, 10.कार्यक्रमों की योजना-संयोजना व संचालन ज्योतिष विभागीय छात्रों द्वारा ही सम्पादित कराकर उनके कौशल एवं व्यक्तित्व के विकास हेतु प्रभावी प्रयास।

आचार्यगण

डॉ. विनोदकुमार शर्मा
विभागाध्यक्ष
9414350711

डॉ. कैलाशचन्द्र शर्मा
सहायक आचार्य
9829204498

डॉ. शिवाकान्त मिश्र
सहायक आचार्य
7014490556